



Review Workshop of Firefox Maithili A Report

Firefox Maithili is a great creative work of digital world

The well known Internet browser is now available in Maithili language. It is in Beta stage. The Internet browser, Firefox is available in 70 languages of which Maithili is also one. It is available for free downloading from Mozilla website for all platforms Linux, Windows, and Mac. The entire work for Firefox Maithili is done by a voluntary group, Firefox Maithili Community. To collect more feedback from the native people, the Firefox Maithili Review Workshop was organised on January 4, 2012 at the auditorium of T.P. College, Madhepura, Bihar (India). The workshop was organised and sponsored by Gyan Vigyan Samiti, Madhepura, Bihar.

Dr. Anjani Kumar Singh, Acting VC, B. N. M. University, Madhepura inaugurated the workshop. The Chief Guest of the workshop was Dr. Rajaram Prasad, Postgraduate Head, Maithili cum Dean, Faculty of Humanities. Special Guests were Dr. K. P. Yadav, Principal, Parvati Science College, Madhepura and Dr. Lalpari Devi, MHM College, Sonvarsha, Saharasa. These special guests are also teachers of Maithili at college level. The welcome address was given by Dr. R. K. P. Raman, Principal, T.P. College, Madhepura. Prof Satchitanand, Ex. General Secretary, Gyan Vigyan Samiti, Bihar presided over the function. Thanksgiving was done by Hrinandan Yadav, Preseident, Gyan Vigyan Samiti, Madhepura.



In the welcome address, Dr. R. K. P. Raman told that availability of this software in Maithili is of great importance. In the Inaugural address Prof Anjani Kumar Sinha appreciated this work. He told that the student here can try to learn from this activity and join this type of activities. Dr. Rajaram Prasad has told availability of this software in Maithili is a historical achievement.



Retired Professor of Physics, Dr. Bhupendra Madhepuri termed this software a great creative work of digital world. Retired Principal Prof. Shyamal Kishore Yadav said that the knowledge is the catalyst of development and by this software Maithili language has put its firm step to erode the digital gap arised due to language barrier. Dr. Ramchandra Prasad said that Maithili is ignored by government much but the work by the team of Rajesh, Sangeeta, Pratibha and Rakesh has done a wonderful job. Prof. Schindra term it a proud moment for Maithili speaking people. Mr. Harinandan Yadav suggested that there is a great need to do this type of program more frequently so that people can be aware of the development. Prof Bijendra Kumar, Pro. Alok Kumar, Prof Ashok Kumar, Dr. Parmanand Yadav, Prof. Mustak, Prof. Manibhushan Verma, Prof. Kishore Kumar, Prof. Vijay Kumar, to name a few were among the dignitaries present in the program. In the beginning of the program, Mr Murlidhar, Secreatary, Gyan Vigyan Samiti,



sang Saksharta Geet – 'Aao Milkari Hum Is Desh ko Sanwar Den'. Prithviraj Yaduvanshi did sanchalan of this program. There were more than 20 BCA students were also present there and most of the student's native language was Maithili.

All the four people Rajesh, Sangeeta, Rakesh and Pratibha who contributed in developing the content of the Firefox Maithili talked and discussed with the people present there about the



application and its use. The printout of the screen shots were also distributed to the students and teachers present there to collect feedback on the localization and its usability. In this application, FUEL Maithili computing vocabulary is used. Mr Rajesh Ranjan told about how Firefox Maithili idea came in the mind and how it is now a part of reality. This software is supported by a great number of online community. Mr. Ranjan thanked all the people who came to attend the review workshop and given their valuable feedback. The Firefox Maithili team distributed Mozilla T-Shirts, Fedora CDs, Mozilla Stickers, FUEL bookmarks etc to the students present in the workshop. More than 60 people were present in the workshop. The cost of food (lunch box, tea and Paan), mike, banners etc were sponsored fully by Gyna Vigyan Samiti, Madhepura.

The Firefox Maithili Review Workshop got lot of print, televisions and internet media attention. The news of this workshop was published in several newspapers including the largest Hindi daily.

प्रभात खबर

www.prabhatkhabar.com

05

भागलपुर, गुरुवार, 5 जनवरी, 2012

इंटरनेट सऽ जुड़ल मैथिली



70 भाषाक
कतार में
शामिल भेल
मैथिली

मधेपुराक
राजेश रंजन
व हुनक
पत्नीक
प्रयास सफल

टीम प्रज्जववित कऽ कार्यशालाक उदघाटन करैत अतिथि. फोटो : प्रभात खबर

मधेपुरा : फायर फॉक्स का प्रयोग इंटरनेट का उपयोग करनेवाली 30 प्रतिशत से अधिक आबादी कर रही है. इस ब्राउजर में शामिल 70 भाषाओं की कतार में मैथिली भी जुड़ गयी है. इसे एक स्वेच्छिक समूह द्वारा मधेपुरा वासी राजेश रंजन के नेतृत्व में संगीता कुमारी, राकेश रोशन और प्रतिभा कुमारी जैसे डेवलपर्स की बढौलत किया गया है, जो मधेपुरा के साथ-साथ मैथिली भाषियों के लिए गौरव का विषय है. इंटरनेट की दुनिया में मैथिली का आगमन मैथिली भाषियों के लिए सुखद संकेत है. इससे मैथिली प्रेमी इंटरनेट के माध्यम से दूर दराज में रह कर भी मैथिली साहित्य का अध्ययन कर सकेंगे. यह बातें बीएनएमयू के प्रभारी कुलपति डॉ अंजनी कुमार सिन्हा ने टीपी कॉलेज के सभा भवन में आयोजित ज्ञान विज्ञान समिति के द्वारा मैथिली फायर फॉक्स समीक्षा कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि अभी तत्काल यह सुविधा इंटरनेट पर मौजिला फायर फॉक्स ब्राउजर पर उपलब्ध है.

समिति के पूर्व राज्य महा सचिव प्रो सच्चिदानंद की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला को संबोधित करत हुए उन्होंने कहा कि यह सफलता

खास कर बीसीए के छात्रों के लिए लाभ दायक होगा. मुख्य अतिथि मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ राजा राम ने कहा कि आज का युग इंटरनेट का है. ऐसे में इंटरनेट से जुड़ने के बाद मैथिली साहित्य का प्रचार-प्रसार तेजी से हो सकेगा. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल पीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ केपी यादव ने कहा कि इस चर्चित विषय के इंटरनेट से जुड़ने के बाद यह सही दिशा में विकास कर सकेगा. प्राचार्य डॉ लालपरी देवी ने कहा कि मैथिली से कई भाषाओं की उत्पत्ति हुई है. इसका इंटरनेट से जुड़ना किसी वरदान से कम नहीं है. कार्यशाला में इंटरनेट से मैथिली भाषा को जोड़ने वाले मधेपुरा के राजेश रंजन व उनकी पत्नी संगीता की टीम ने इंटरनेट में इसके प्रयोग कि विधि को उपस्थित लोगों को बारीकी से समझाया. इस कार्यशाला में बीसीए के छात्रों सहित सभी उपस्थित लोगों ने खासी दिलचस्पी ली. कार्यक्रम को डॉ रामचंद्र यादव, डॉ भूपेंद्र ना यादव मधेपुरी, डॉ आरकेपी रमण, प्रो विजेन्द्र यादव, डॉ श्यामल किशोर यादव, डॉ परमानंद यादव, डॉ आलोक कुमार यादव, प्रो विजेन्द्र यादव सहित कई छात्र छात्राओं ने संबोधित किया.

मैथिली फायर फॉक्स समीक्षा कार्यशाला आयोजित

मधेपुरा, विश्वविद्यालय संवाददाता : बुधवार को टीपी कॉलेज सभा भवन में मधेपुरा ज्ञान-विज्ञान समिति के तत्वावधान में इंटरनेट पर मैथिली में जाना-माना ब्राउजर फायर फॉक्स का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता ज्ञान-विज्ञान समिति के प्रो.सच्चिदानंद ने किया।

मैथिली फायर फॉक्स समीक्षा कार्यशाला का उदघाटन करते हुए विवि के प्रभारी कुलपति डॉ.अंजनी कुमार सिन्हा एवं मुख्य अतिथि विवि मानविकी के संकायाध्यक्ष डॉ.राजाराम प्रसाद ने कहा कि मैथिली फायर फॉक्स टीम को जितना धन्यवाद दिया जाए वह कम है। क्योंकि इन युवकों ने मैथिली की इंटरनेट की दुनिया में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज करवाई है। विशिष्ट अतिथि पीएस कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.केपी यादव एवं एमएचएमए कॉलेज सोनवर्षा की प्रधानाचार्या डॉ.लालपरी देवी ने कहा कि मैथिली प्राचीनतम भाषा है लेकिन यह भाषा वैश्विक भाषा नहीं बन पाई थी। जिसे मैथिली फायर फॉक्स टीम ने इंटरनेट पर ब्राउजर बनाकर वैश्विक भाषा का दर्जा दिया है। स्वागत टीपी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.आरकेपी रमण ने किया। कार्यशाला में मैथिली फायर फॉक्स टीम के राजेश रंजन, संगीता कुमारी, राकेश रोशन एवं प्रतिभा कुमारी ने लैपटॉप के माध्यम से कम्प्यूटर अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से डॉ.श्यामल किशोर, डॉ.रामचन्द्र प्रसाद यादव, डा.भूपेन्द्र मधेपुरी, प्रो.सचिन्द्र, डॉ.आलोक, डॉ.विजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।



कार्यशाला में बोलते अतिथि।

जागरण

हाईटेक बनी मिथिलांचल की मैथिली भाषा

मधेपुरा। मित्र प्रतिनिधि

मिथिलांचल और कोसी की मातृ भाषा मैथिली को भी अब हाई टेक होने का शौभाग्य मिल गया है। मधेपुरा के लाल ने मैथिली भाषा एवं साहित्य को दुनिया की अत्याधुनिक तकनीक इंटरनेट से जोड़कर ऐतिहासिक काम किया है। मैथिली को इंटरनेट से जोड़ने के बाद इसे आम जनता की जानकारी के लिए टीपी कॉलेज में कार्यशाला आयोजित कर इसे प्रदर्श भी किया गया।

बुधवार को आयोजित मैथिली फायरफॉक्स समीक्षा कार्यशाला का उद्घाटन बीएनएमयू के प्रभारी कुलपति डॉ. अंजनी कुमार सिंहा ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रभारी कुलपति डॉ. सिन्हा ने कहा कि अब मैथिली भाषा को सारी जानकारी इंटरनेट के माध्यम से लोगों को मिल पायेगी।

ज्ञान विज्ञान समिति मधेपुरा के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि मिथिलांचल राज्य की कल्पना करने वाले मैथिली भाषा के प्रति



टीपी कॉलेज में मैथिली भाषा को इंटरनेट से जोड़कर प्रदर्श करते सदस्य • हिन्दुस्तान

गौण रहते हैं। अपनी भाषा के प्रति लोगों को सजग एवं सचेष्ट रहना चाहिए। जरूरत है मैथिली भाषा को समृद्ध करने की।

मुख्य अतिथि पीजे मैथिली विभागाध्यक्ष सह मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. राजाराम प्रसाद ने कहा कि मैथिली साहित्य का एक समृद्ध इतिहास रहा है। इसे साईंस टेक्नोलॉजी से जोड़कर कम्प्यूटर विशेषज्ञों ने ऐतिहासिक काम

किया है। हाईटेक प्रणाली से यह भाषा अब और अधिक विकसित होगी। उन्होंने इसे बनाने के लिए राकेश रौशन राजेश, प्रतिभा एवं संगीता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मधेपुरा मैथिली की सभ्यता संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने में अग्रणी रहा है। उन्होंने मैथिली भाषा को हीन दृष्टि से देखने वालों को नसीहत दी। विशिष्ट अतिथि द्वय प्राचार्य डॉ. केपी यादव एवं डॉ. लालपरी देवी ने कहा

आयोजन

- मैथिली भाषा को इंटरनेट से जोड़कर बनाया हाईटेक
- टीपी कॉलेज में कार्यशाला आयोजित कर आयोजकों ने किया प्रदर्शन

कि मैथिली भाषा की समृद्धि और विकास कैसे हो इसकी चिंता रखनी चाहिए। हमें अपनी मातृभाषा के प्रति समर्पित रहना होगा। मैथिली भाषा को इंटरनेट से जोड़ने में अहम भूमिका निभाने वालों ने इसे सच करने की विधि बताया। उन्होंने बताया कि इसमें लगभग 10 लाख शब्दों को डाला गया है।

कार्यशाला में पूर्व रजिस्ट्रार शचीन्द्र महतो, डॉ. हरिनंदन यादव, डॉ. रामचंद्र प्रसाद यादव, डॉ. श्यामल किशोर, डॉ. भूपेन्द्र मधेपुरा, डॉ. विजेन्द्र प्र. यादव, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. आलोक कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आरकेपी रमण ने अतिथियों का स्वागत किया।

LITERATURE INDIA | Literary & Cultural Portal of India

हाल-चालमुलाकातशख्सियतयादेंकविताकितारैंसोच-विचारचित्रकथा

मैथिली फ़ायरफ़ॉक्स समीक्षा कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न



फ़ायरफ़ॉक्स एक जाना-माना ब्राउज़र है और इंटरनेट का उपयोग करने वाली लीस प्रतिशत से अधिक आबादी इस ब्राउज़र का उपयोग करती है। गौरव की बात यह है कि यह इंटरनेट ब्राउज़र अब मैथिली भाषा में भी उपलब्ध है। यह इंटरनेट ब्राउज़र कुल सत्तर भाषाओं में उपलब्ध है जिनमें से मैथिली भी एक है। यह फ़ायरफ़ॉक्स की साइट से आम लोगों के लिए निःशुल्क डाउनलोड किए जाने के लिए उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि मैथिली में संपूर्ण कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर प्रसिद्ध ब्राउज़र को मैथिली जनसमूह के उपयोग के लिए एक स्वैच्छिक समूह द्वारा तैयार किया गया है।

इस कंप्यूटर अनुप्रयोग की समीक्षा कार्यशाला 4 जनवरी को टी.पी. कॉलेज

PAGES

• हमलोग

LITERATU

- The Veteran Fi Conferred the I
- International M
- Tagore Nation Research Mod
- CSTT Commer Celebration
- P V Akilan
- FUEL Punjabi I Punjabi Compi
- All India Musici
- 41st IFFI will br
- Sahitya Akade
- Gandhi's Econ

